Mahila college Samastipur
Department of History
B.A II (Hons)

Dr. Anu Kumari
Date:- 15/02/2021

प्र०- जहाँगीर के जीवन उसके राज्यारोहण पर प्रकाश डालें।

=> सलीम का जन्म 1569ई० को फतेहपुर सीकरी में स्थित शेख सलीम चिश्ती की कुटिया में आमेर के राजा भारमल की पुत्री मरियम उज़मानी के गर्भ से हुआ था।

सलीम का पहला विवाह आमेर के राजा भगवानदास की पुत्री और मानसिंह की बहन मानबाई से हुआ था। इसी पत्नी से खुसरो का जन्म हुआ था। सलीम का दूसरा विवाह मारवाड़ के शासक उदयसिंह की पुत्री जगत गोसाई या जोधाबाई से हुआ था जिससे खुर्रम (शाहजहाँ) उत्पन्न हुआ। जहाँगीर के तीसरे पुत्र परवेज का जन्म साहिब-ए-जमाल से और चौथे पुत्र शहरयार का जन्म सम्भवतः एक रखैल से हुआ था।

1611 ई० में उसने ग्यासबेग की पुत्री एवं अलीकुली बेग की विधवा मेहरुन्निसा से विवाह किया। मानबाई को शाह बेगम का पद प्रदान किया था किन्तु बाद में उसने अफीम खाकर आत्महत्या कर ली थी। 1613 ई० में मेहरुन्निसा को पादशाह बेगम की उपाधि दी गई। अब नूर-ए-महल एवं नूरजहाँ के नाम से जानी जाने लगी। सलीम का मुख्य शिक्षक अब्दुर्रहीम खानखाना था। अकबर, सलीम

को 'शेखवो बाबा' कहकर पुकारता था। जहाँगीर ने अपनी आत्मकथा तुजुक-ए-जहाँगीरी लिखी।

राज्यारोहण

जहाँगीर 1605 ई. में गद्दी पर बैठा। जहाँगीर ने गद्दी पर बैठते ही आगरा के किले और यमुना के तट पर खड़े एक पत्थर के खम्भे के बीच शुद्ध सोने की न्याय की जंजीर लगवाई। जहाँगीर इस न्याय की जंजीर को जंजीर-ए-अदली कहता था। उसने 12 आदेश जारी किए, जो उसके तुजुक-ए-जहाँगीरी में लिपिबद्ध हैं।

जहाँगीर ने सैनिकों के वेतन में 20% की वृद्धि की। 1606 ई. में जहाँगीर के पुत्र खुसरो ने विद्रोह किया। जहाँगीर के पुत्र खुसरो का मामा मानसिंह था तथा ससुर मिर्जा अजीज कोका था। सम्भवतः इन दोनों के उकसाने पर खुसरो ने विद्रोह किया था। जहाँगीर एवं खुसरो की सेना के बीच मुकाबला भैरावल के मैदान में हुआ। खुसरो पराजित हुआ और बंदी बना लिया गया। आगे 1622 ई. में शाहजहाँ ने खुसरो की हत्या कर दी।

* जहाँगीर के आदेश

=> तमगा और मीरबहरी कर अंत कर दिया जाए।

=> शराब और नशीले पदार्थ के उत्पादन एवं बिक्री पर पाबंदी।

=> किसी व्यापारी का गट्ठर बिना उसकी अनुमती के नहीं खोला जाए।

=> रविवार और गुरुवार ब्रहस्पतिवार को पशुवध पर पाबंदी लगा दी जाए (रविवार अकबर का जन्म दिन एवं ब्रहस्पतिवार जहाँगीर के राज्याभिषेक का दिन था)

खुसरो के विद्रोह से गुरु अर्जुन देव की घटना जुड़ी हुई है। माना जाता है कि अर्जुन देव ने तरनतारन में खुसरो को शरण दी थी। अतः जहाँगीर ने गुरु को दण्डित कर मार डाला। गुरु अर्जुन देव के पुत्र हरगोविन्द को जहाँगीर ने जेल में डाल दिया। 1611 ई. तक वे जेल में ही रहे।

1611 ई. में जहाँगीर ने उड़ीसा के विरुद्ध अभियान किया और उड़ीसा के क्षेत्र खुर्दा को जीत लिया गया। 1611 ई. में सिंधु के पास रोशनिया सम्प्रदाय के लोगों ने अहमद के नेतृत्व में विद्रोह किया। जहाँगीर ने इस विद्रोह को कुचल डाला।

1620 ई. में जहाँगीर ने सुन्दरदास बघेल के नेतृत्व में काँगड़ा अभियान भेजा तथा काँगड़ा जीत लिया गया।

Scanned with CamScanner